भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3138

जिसका उत्तर 20.08.2025 को दिया जाना है

सड़क निर्माण और संरचनात्मक सुरक्षा की स्थिति

3138 श्रीमती फूलो देवी नेतमः

श्री हारिस बीरानः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2024-25 में निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई कितनी है और वर्ष 2025-26 के लिए क्या लक्ष्य है;

(ख) पिछले तीन वर्षों में खराब सड़क अभिकल्पन या संरचनात्मक समस्याओं के कारण राजमार्ग खंड-वार कुल यातायात दुर्घटनाओं और मौतों की राज्य-वार संख्या कितनी है; और

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों पर वर्तमान में उपयोग में आने वाली कुशल परिवहन प्रणालियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) की कुल लंबाई 10,660 किलोमीटर थी, और वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रारंभिक लक्ष्य 10,000 किलोमीटर है।

(ख) सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर "भारत में सड़क दुर्घटनाएँ" पर रिपोर्ट प्रकाशित करती है। आंकड़ों के अनुसार, सड़क दुर्घटनाएँ बहु-कारणीय घटनाएँ हैं और विभिन्न कारकों के परस्पर प्रभाव का परिणाम हैं, जिन्हें मोटे तौर पर (i) मानवीय भूल, (ii) सड़क की स्थिति/पर्यावरण और (iii) वाहनों की स्थिति में वर्गीकृत किया जा सकता है। हालाँकि, खराब सड़क डिज़ाइन या संरचनात्मक समस्याओं के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और मौतों के संबंध में कोई अलग से डेटा नहीं रखा जाता है।

(ग) उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएमएस) कुशल परिवहन प्रणाली का एक महत्वपूर्ण घटक है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, ट्रांस-हरियाणा, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे आदि जैसे उच्च यातायात घनत्व वाले राष्ट्रीय राजमार्गों और

राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे (एनई) पर एटीएमएस स्थापित किए गए हैं। एटीएमएस में विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन उपकरणों का प्रावधान है जो राजमार्गों पर होने वाली घटनाओं की शीघ्र पहचान करने और राजमार्गों की प्रभावी निगरानी करने में मदद करते हैं, जिससे मौके पर सहायता प्रदान करने में लगने वाले समय में सुधार होता है। इसके अलावा, एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्गों और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में एटीएमएस समाधान को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की परिकल्पना की है, और अपनी एटीएमएस नीति के एक भाग के रूप में, एनएचएआई राजमार्ग परियोजनाओं के एक भाग के रूप में और साथ ही एकल एटीएमएस परियोजनाओं के रूप में भी एटीएमएस को लागू कर रहा है। 5 पायलट एकल एटीएमएस परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

गलियारे का नाम	लंबाई (किमी)	राज्य	एटीएमएस परियोजना की स्थिति
बैंगलोर - मैसूर (विस्तार)	117	कर्नाटक	पूर्ण
द्वारका एक्सप्रेसवे	58	दिल्ली, हरियाणा	पूर्ण
दिल्ली-आगरा	180	उत्तर प्रदेश	प्रगति पर
लखनऊ रिंग रोड	103	उत्तर प्रदेश	प्रगति पर
यूईआर-II	75	दिल्ली, हरियाणा	प्रगति पर

*****